

पहले दिन की रामलीला मंचन में ताड़का वध की लीला देख भाव विभोर हुए दर्शक



लोकमित्र ब्लॉग

सिरायू कौशाम्बी। नगर पंचायत दारानगर कड़ा धाम के दारानगर करवे की ऐतिहासिक 245 वीं श्री रामलीला में प्रथम दिन शारीरुप में ताड़का वध की लीला संपन्न हुई, श्रोताओं को चौपाईयों के माध्यम से पुरोहित रेखती रमण पांडेय ने बताया कि राखसों का आंक बहुत ही बढ़ गया था तब जाकर विश्वामित्र अवधारणा धम पहुंचे और उन्होंने चक्रवर्ती सम्राट राजा दशरथ से गम-लक्षण को मांगा था। यज्ञ में लागतार बधा उत्तम होने के



मैं आपसे कुछ मांगने आया हूं। तुम मुझे छोटे पुत्र सहित श्री रुदान जी को दे दो।

असुरों के मार जाने के बाद मैं सुरक्षित हो जाऊंगा। अद्यता के राजकुमार राम और लक्षण दोनों विश्वामित्र के आश्रम के सुखा करते हैं। एक दिन ताड़का के पुत्र सुब्रह्मण्य और उनसे सहयोग मांगते हैं। अद्यता विश्वामित्र ने राजा दशरथ से गम और लक्षण को मांगा। महर्षि विश्वामित्र ने राजा दशरथ से कहा कि हे राजन, अपनों के समूह हमें बहुत सताने हैं इसीलए

कारण विश्वामित्र ताड़का और उसके

पुत्रों से अल्पत ऋषित हैं। उनके पास ताड़का और उसके पुत्रों का नाश करने के लिए उचित प्रारम्भ और अवन-शस्त्र भी थे। लेकिन अपनी प्रतिज्ञा के कारण वे ऐसा करने में असमर्थ हैं। इसलिए, विश्वामित्र अवधारणा दशरथ के पास गए और उनसे सहयोग मांगते हैं। अद्यता विश्वामित्र ने राजा दशरथ से गम और लक्षण को मांगा। महर्षि विश्वामित्र ने राजा दशरथ से कहा कि हे राजन, अपनों के समूह हमें बहुत सताने हैं इसीलए

कर दिया। श्री रामलीला कमेटी के पुरोहित नील कमल मिश्र ने बताया कि ताड़का पहले एक सुंदर अभरा थी। वह सुकेतु वध की पुत्री थी। लेकिन एक बार जब उन्हें तप करते हुए, वृषभ अगस्त्य को सताया, तब उनके शप से वह कुरुप राशसी ताड़का बन गई। अपनी कूरुपता को देखकर और अपने पति की मृत्यु का बदला लेने के लिये ताड़का ने आगस्त्य मुनि के आश्रम को नष्ट करने का संकल्प किया। इसलिए श्री विश्वामित्र ने ताड़का का वध प्रभु श्री राम के हाथों करवा दिए। श्री रामलीला कमेटी के आयोजकों द्वारा बताया गया कि कल की लीला में गंगा पूजन का कार्यक्रम कंपालपुर में किया जाएगा। इस मौके पर क्षेत्राचारी विश्वामित्र सभी पूजा पंडालों व भर्दियों के अलावा घरों में कलश की स्थापना की गयी। प्रथम दिन भरों ने शैलपुत्री की पूजा करने से व्यक्ति को सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इस मौके पर गणेश वर्मा, उमेश वर्मा, खुशबू वर्मा, मोनू वर्मा, पंकज वर्मा, अमन अमित, विनय ऋषि, मुकेश, ज्ञान शर्मा, सचिन, हरिशंद्र चौरसिंह, कपिल जयसवाल, अंकुश गुप्ता आदि रहे।

नवरात्रः दुर्गापूजा पंडालों में पहले दिन हुई शैलपुत्री स्वरूप की पूजा



नवरात्र के दूसरे दिन शूक्रवार को देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा की गई। जहां पर श्रद्धालुओं ने प्रथम दिन कलश स्थापना के साथ देवी के शैलपुत्री स्वरूप की पूजा अर्चना की। ब्रह्मचारिणी यांती आचरण करने वाली मां ब्रह्मचारिणी की उपासना से तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम में वृद्धि होती है। इस मौके पर गणेश वर्मा, उमेश वर्मा, खुशबू वर्मा, मोनू वर्मा, पंकज वर्मा, अमन अमित, विनय ऋषि, मुकेश, ज्ञान शर्मा, सचिन, हरिशंद्र चौरसिंह, कपिल जयसवाल, अंकुश गुप्ता आदि रहे।

लोकमित्र ब्लॉग

करगी, कौशाम्बी। करगी कर्बन में वृहस्पतिवार को नवरात्र के प्रथम दिन सभी पूजा पंडालों व भर्दियों के अलावा घरों में कलश की स्थापना की गयी।

प्रथम दिन भरों ने शैलपुत्री की पूजा करने से व्यक्ति को सुख-

समृद्धि की प्राप्ति होती है। शास्त्रों के विश्व विधान से पूजा की।

आती के बाद भरों को प्रसाद वितरित किया है।

करगी कर्बन के सोनान, गमलीला मैदान, नगर पंचायत प्राप्तण, नेता नगर, गड़ही पर, अशोक नगर

में एक ही बाण से ताड़का का वध

प्रभु श्रीराम के धनुष बाणों

के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

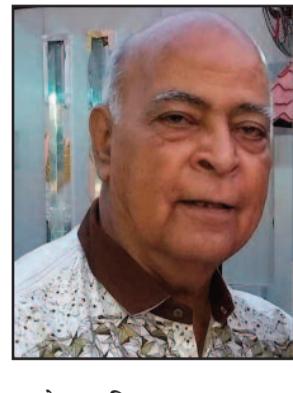
ताड़का का वध करने के लिए उसके

पुत्रों के लिए आपसे कुछ लाभ नहीं है।

सर्वपालकीय

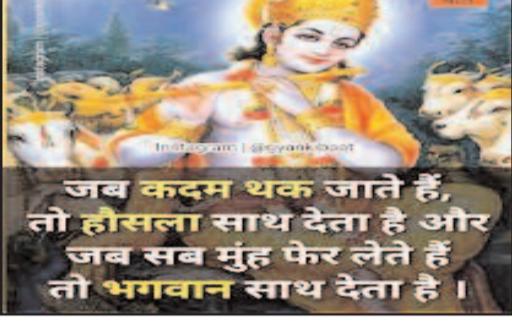
भविष्य के लिए संधि को मंजूरी

गैर-बगवरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के द्वारे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्व होता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भविष्य के लिए संधि को मंजूरी मिल गई है। 21वीं सदी की चुनौतियों का समान करने के लिए इस संधि में दुनिया को एकजुट करने की कांडी ही गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जगाई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बदलती नज़र आ रही है। जिस तरह का टक्कर और कठवाह है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा होगा कि भी, कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिराजालिन नहीं दी जानी चाहिए। इस लिंडाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रस्तरीय है। संयुक्त राष्ट्र महासभा एटोनियो गुरुरेश ने 193 सदस्यों वाली महासभा को इस संधि को मंजूर करने के लिए घट्यावाद कहा। कहा कि इस संधि से जलवायु घटेलीजेस, गैर-बगवरी और गरीबी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए देशों के एकजुट होने का गता खुला है, जिससे दुनिया के आठ अब लोगों का जीवन बेहतर बनाया जा सकता है। एरिवर को शुरू हुए दो दिवसीय भविष्य के शिखर सम्मेलन के दौरान 42 पेंज की संधि को अपनाया गया। संधि को अपनाने को लेकर महासभा की बैठक की शुरुआत तक संशय बना हुआ था। स्थिति इन्हीं अनिवार्त थी कि महासभा गुरुरेश ने तीन अलग-अलग भाषण तैयार किए थे—एक पारित हो जाने के लिए, एक नामजूर हो जाने की स्थिति के लिए, और एक उस स्थिति के लिए जब परिणाम नहीं हो। लंतरत उन्होंने अपना प्रथम भाषण दिया। यहां तक कि एक सब टीक है। उसके मुद्दा है कि जलवायु परिवर्तन जैसी समझायों की बजह उपयोग बढ़ाने पर आधारित अर्थव्यवस्था है, जिस पर समझायों करने के कोई देश तैयार नहीं है। जाने ही समझ्यों से निपटने के लिए गरीब देशों को विनीती मदद देने का अपना बाद धनी देशों ने निभाया है। इसी तरह गैर-बगवरी और गरीबी का संबंध आर्थिक नीतियों से है, जिनमें परिवर्तन संयुक्त राष्ट्र के द्वारे से बाहर है। इसीलिए ये संधि व्यावहारिक रूप से कोई फर्क डाल पाएगी, इसकी उम्मीद नहीं जगी है। बहरहाल, सदिच्छाओं का भी अपना महत्व होता है।



अशोक भाटिया

पद्मवीक्षक के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में बेहतरीन बढ़िया वित्तीय विदेशों का विषय है। यह सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि इस संधि के अन्तर्वाले एटोनीयों द्वारा विदेशों में दुनिया को एकजुट करने की कांडी गई है। इस तरह संयुक्त राष्ट्र ने विश्व हित की अपनी इच्छा जगाई है। लेकिन विडंबना यह है कि आज दुनिया एकजुट होने के बजाय बदलती नज़र आ रही है। जिस तरह का टक्कर और कठवाह है, वैसा दूसरे विश्व युद्ध के बाद शायद ही कभी दिखा होगा कि भी, कहा जा सकता है कि प्रतिकूल स्थितियों में भी आशा और प्रयास को तिराजालिन नहीं दी जानी चाहिए। इस लिंडाज से संयुक्त राष्ट्र की ताजा पहल प्रस्तरीय है।



जब कदम थक जाते हैं,
तो होसला साथ देता है और
जब सब मुँह फेर लेते हैं
तो भगवान साथ देता है।

सरोकार

सम्पादकीय

विदेशों में शिक्षा प्राप्त कर वही बसने का ऋजू का असर देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है



छवि किसी कारण से फँसते हैं तो भारत सरकार को 'एस-लिप्ट' का सहाय लेना पड़ता है जो परेशनी भरा होता है। बताया जाता है कि विदेशों के कुछ वर्षों से भारत से विदेशों में जाकर शिक्षा प्राप्त कर वही बसने की आकाशा का ऋजू बढ़ता जा रहा है। केंद्र सरकार के अनुवार वर्ष 2016 और 2021 के बीच 2014-15 लाख भारतीय विदेशी विदेशों में पढ़ने के लिए गए। एसोसिएटेड चेम्परस्ट ऑफ कॉमर्स एंड इंस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोसिएट) का अनुमान है कि वर्ष 2020 में 4.5 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने की आकाशा का ऋजू बढ़ता जा रहा है।

प्रत्येक भारतीय विदेशों के लिए श्रमिक की कमी की समस्या भी आ सकती है। इसके अलावा, देश की बहुत्याकृति विदेशी विदेशों में जा रही है। यूरोप युद्ध से भारतीय छात्रों की शिक्षा ग्रहण करने के पलायन की समस्या बढ़ रही है। इससे उत्तरांश और रेडीस्पर्स एस्टेट की अनुमान है कि वर्ष 2024 में 4.5 लाख भारतीय विदेशी विदेशों में पढ़ने के लिए गए।

केन्द्रीय मंत्री बी। मुरुलीधरन ने 25 मार्च 2022 को लोकसभा को सूचित किया कि या था कि वर्तमान में 13 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ रहे हैं। यह खर्च 80 अब डालर यानि 7 लाख करोड़ रुपए, तक पहुंच सकता है, जब अनुमानित 20 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने के लिए जाएं।

केन्द्रीय मंत्री बी।

2022 के संचयी संख्या लें तो स्थिति काफी भारी भविष्य दिखायी देती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, और उत्तरांश में 30 प्रति हजार और यूरोप में 14 प्रति हजार है। विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2016 से

2022 के संचयी संख्या लें तो स्थिति काफी भारी प्रभाव दिखायी देती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, और अंध्रप्रदेश में 30 प्रति हजार और यूरोप में 14 प्रति हजार है। विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 414 लाख तक पहुंच गई। मोटोर पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थीयों की संख्या भविष्य के लिए गई।

यदि वर्ष 2024 में

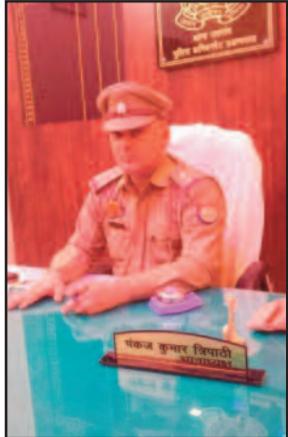
2020-21 में 1515 लाख शिक्षक कार्यरत थे। उत्तरांश में उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने

प्रयागराज

उत्दांव पुलिस की सक्रियता से घटना को अंजाम देने वाले पहुंच हैं सलाखों के अंदर

पूर्व लाक प्रमुख पर जानलेवा हमला करने वालों पर निष्पक्ष कार्रवाई से क्षेत्रीय जनता में पुलिस के प्रति जगा विश्वास

लोकमित्र ब्लॉग
हाँडिया 14 महीने के अंदर उत्तरांव थाने की तर्की बदल चुकी है। शत प्रतिशत सुकदमों में वांछित अधिकृत पकड़ कर जेल भेज दिये गये। वहीं पुलिस की तेज और ल्हरित कार्यवाही से अपराधियों की शमत आ गयी है। अपराध करने वाले सलाखों के अंदर जने में देर नहीं लग रहा है। कविले गैर बात यह है कि थानांधक्ष पक्ज कमार त्रिपाठी 14 जुलाई 2023 को थाने का चार्ज लिया है। तब से शत प्रतिशत अपराधी सलाखों के अंदर है। बड़ी वारदातों का तुरंत खुलासा और अपराधी पकड़ कर तत्काल जेल भेजें गये। थानांधक्ष के द्वारा 14 महीने के अंदर संभी अपराधों में विचार कर रहे चार्ज लिया है। अधिक अपराधियों को गिरफतार कर उहें सलाखों के पीछे कर दिया गया। यहीं भर नहीं 14 महीने के अंदर थानांधक्ष की त्वरित और तेज कार्रवाई से घटित सर्गीन वारदातों में अपराधियों को कठुना छंटे के अंदर जेल जाना पड़ा है। 18 मार्च 2024



की रात को मोतिहां गांव के युवक रंजीत कुशवाहा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 19 मार्च को पुलिस ने रंजीत के शव को कब्री में लेकर योस्मार्ट के लिए भेजा। घटनास्थल पर मिले एक चश्मे की बजह से थानांधक्ष ने 24 घंटे के अंदर वारदात को अंजाम देने वाले को गिरफतार कर दिया गया। 24 अक्टूबर 2023 को बैंधीपुर गांव के पास अवधेंग यादव को गोली मारकर धायल कर दिया गया। जिसमें वांछित अधिकृतों को पुलिस ने तुरंत गिरफतार कर जेल भेज दिया।

2024 को मामूली बात को तुल पकड़ा कर दी समवय के लोग आपस में भीड़ गए। जिसमें थानांधक्ष ने दोनों पक्षों से संभी धाराओं में वांछित आठ लोगों को गिरफतार कर जेल भेज दिया गया। 13 नवंबर 2023 को क्षेत्र के छबिलांग हांग में अनिल कुमार श्रीवास्तव की परिवार के लोगों ने हथा कर दी थी। थाना अधक्ष ने आरोपित चारों अधिकृतों को तत्काल गिरफतार कर जेल भेज दिया गया। 24 अक्टूबर 2023 को बैंधीपुर गांव के पास अवधेंग यादव को गोली मारकर धायल कर दिया गया। जिसमें वांछित अधिकृतों को पुलिस ने तुरंत गिरफतार कर जेल भेज दिया।

13 अगस्त 2023 को उत्तरांव पुलिस ने शराब तस्करों से लगाया 25 लाख की शराब को बरामद किया। 30 मार्च 2024 को बैंधी चोरों के गिरोहों को दबोच कर पुलिस ने 13 बाइक बरामद किया। पकड़े गए बैंधी चोर कई थाना क्षेत्रों में बैंधी चुकार पुलिस की नक में दम

कर दिया था। 18 मार्च 2024 उत्तरांव पुलिस ने रेहूय गांव में छापा मारक 80 लाख रुपये की अपील बरामद किया है। इस गांव में अवधेंग रुपये से अपील की खेती की जा रही थी। इसी क्रम में 24 अप्रैल 2024 को हाँडिया जन लूट को घटना को हाँडिया के लोगों ने हथा कर दी थी। थाना अधक्ष ने आरोपित चारों अधिकृतों को तत्काल गिरफतार कर जेल भेज दिया गया। 24 अक्टूबर 2023 को बैंधीपुर गांव के पास अवधेंग यादव को गोली मारकर धायल कर दिया गया। जिसमें वांछित अधिकृतों को पुलिस ने तुरंत गिरफतार कर जेल भेज दिया।

बैंधीपुर गांव के पास अवधेंग यादव को हाँडिया के लोगों ने रेहूय गांव में ही हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस ने मुकत की पसी और उसके प्रेमी को पकड़ कर हत्याकांड का खुलासा कर जेल भेज दिया। जिसमें जेल की हवा खानी पड़ी। 23 सितंबर की रात मोहाँडीनगरपुर में एक स्कूल से चोरों के घटना को थानांधक्ष की रेहूय दबोच मारों को थानांधक्ष ने रेहूय दबोच दबोच कर दी। यहां पास तमचा, चाकू और लूटी गयी बाइक, रुपया, आधार बरामद कर जेल भेज दिया गया। लूट की घटना का 8 घंटे में ही खुलासा हो गया। तुरुणे हाँडिया के द्वाकरी, सपांग मसूर के सुनेन्द्र पाणी, अमन पासी, अंशु पासी हैं। 27 अप्रैल 2024 को थानांधक्ष ने एक ऐसे जानवर प्रवृत्ति अपराधी दबोचा जो समझीपुर गांव का है। जो मानवता को शमेसर कर दिया।

लोकमित्र ब्लॉग

बहारिया रामलीला महोस्तव समिति सिंहदार की रामलीला

देवराज इंद्र ने कामदेव को आदेश

दिया। नारद ने कामदेव पर विजय

प्राप्त करने से नारद जी को अंहकार

हो गया। जिसमें नारद

का अंहकार भग करने के लिए माया

रची। जिसमें भगवान विष्णु को नारद

की तपत्या को भंग करने के लिए

रची।

पुलिस ने तु डाल डाल तो मैं पात

पात की कहावत चरितार्थ कर दिया।

इसी प्रकार 29 सितंबर को सैदावाद

के पूर्व ल्हाक प्रमुख दुधरा गांव

निवासी रोहेशयम पटेल को सलेमपुर

गांव के पास गोली मार दी गयी थी।

इसके द्वारा गिरफतार कर दिया।

जब तीन साल की मासूम बेटी के लिए

कुमार त्रिपाठी ने निष्पक्ष

कार्रवाई करवाई जानता ने पुलिस की

प्रति विश्वास जागा है।

कुमार त्रिपाठी ने कुमार बरामद करते हुए आशा दर्जन अधिकृत में पात

पात की बहावत चरितार्थ कर दिया।

इसी प्रकार 29 सितंबर को सैदावाद

के पूर्व ल्हाक प्रमुख दुधरा गांव

निवासी रोहेशयम पटेल को सलेमपुर

गांव के पास गोली मार दी गयी थी।

इसके द्वारा गिरफतार कर दिया।

जब तीन साल की मासूम बेटी के लिए

कुमार त्रिपाठी ने कुमार बरामद करते हुए आशा दर्जन अधिकृत में पात

पात की बहावत चरितार्थ कर दिया।

इसी प्रकार 29 सितंबर को सैदावाद

के पूर्व ल्हाक प्रमुख दुधरा गांव

निवासी रोहेशयम पटेल को सलेमपुर

गांव के पास गोली मार दी गयी थी।

इसके द्वारा गिरफतार कर दिया।

जब तीन साल की मासूम बेटी के लिए

कुमार त्रिपाठी ने कुमार बरामद करते हुए आशा दर्जन अधिकृत में पात

पात की बहावत चरितार्थ कर दिया।

इसी प्रकार 29 सितंबर को सैदावाद

के पूर्व ल्हाक प्रमुख दुधरा गांव

निवासी रोहेशयम पटेल को सलेमपुर

गांव के पास गोली मार दी गयी थी।

इसके द्वारा गिरफतार कर दिया।

जब तीन साल की मासूम बेटी के लिए

कुमार त्रिपाठी ने कुमार बरामद करते हुए आशा दर्जन अधिकृत में पात

पात की बहावत चरितार्थ कर दिया।

इसी प्रकार 29 सितंबर को सैदावाद

के पूर्व ल्हाक प्रमुख दुधरा गांव

निवासी रोहेशयम पटेल को सलेमपुर

गांव के पास गोली मार दी गयी थी।

इसके द्वारा गिरफतार कर दिया।

जब तीन साल की मासूम बेटी के लिए

कुमार त्रिपाठी ने कुमार बरामद करते हुए आशा दर्जन अधिकृत में पात

पात की बहावत चरितार्थ कर दिया।

इसी प्रकार 29 सितंबर को सैदावाद

के पूर्व ल्हाक प्रमुख दुधरा गांव

निवासी रोहेशयम पटेल को सलेमपुर

गांव के पास गोली मार दी गयी थी।

इसके द्वारा गिरफतार कर दिया।

जब तीन साल की मासूम बेटी के लिए

कुमार त्रिपाठी ने कुमार बरामद करते हुए आशा दर्जन अधिकृत में पात

पात की बहावत चरितार्थ कर दिया।

इसी प्रकार 29 सितंबर को सैदावाद

के पूर्व ल्हाक प्रमुख दुधरा गांव

निवासी रोहेशयम पटेल को सलेमपुर

गांव के पास गोली मार दी गयी थ

संक्षिप्त खबरें

रोजगार सेवकों की जिला इकाई ने मुख्यमंत्री को संबोधित
ज्ञापन जिला अधिकारी को सौंपा



उत्तराखण्ड प्रदेश के निर्देश पर जिला रोजगार सेवक संगठन ने जिलाधिकारी गौरांग राठी को 10 सूचीय मांगों का ज्ञापन सौंपा है। उत्तराखण्ड के विभिन्न विकास खण्डों से आये हुए रोजगार सेवक नियमाला प्रशंसनहृषि में एकत्रित होकर मा. मुख्यमंत्री के नाम से संबोधित 10 सूचीय ज्ञापन जिला अधिकारी की अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राय को दिया है। ज्ञापन में नियमितीकरण, मानदेव बढ़ावती, दृश्य, मुख्यमंत्री की द्वारा की गई घोषणाएं समर्पित मांगे आदि को जल्द लागू करने की मांग की गई है। मांग पूरी न होने पर प्रतीत्य नेतृत्व के अवाहन पर प्रदेश के सभी रोजगार सेवक लखनऊ में विजाल धरना प्रदर्शन करेंगे। इसमें प्रमुख रूप से हरिकरन जी, रोजगारी जी, गौतम कुपर, राजीवर यादव, सर्वेंग राजीव, अवधेश यादव, लक्ष्मकेश राजीव, रामलीला खांवा, रणवीर यादव, सर्वेंग राजीव यादव, रज्जन लाल संजय सिंह आदि सहित सैकड़ों रोजगार सेवक उपस्थित रहें। इसकी जानकारी प्रातीय मीडिया प्रमुख राम जी यादव द्वारा दी गई है।

खाद्य पदार्थों पर छापेमारी से हडकन्म

बांगरमऊ, ज्ञावा उत्तिजिताधिकारी ने खाद्य तेल की दुकानों पर आज अन्वयनकारी की छापेरी की खबर फैलाने से खाद्य तेल के आठ सेपल भरकर जाच हेतु प्रयोगशाला भेज दिए गए। एसडीएम नम्रता सिंह और तहसीलदार रामाश्रम ने नेतृत्व में खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज शुक्रवार को जाच के हार्डेवेर मार्ग स्थित राधे-राधे ट्रैक्से के प्रधिकृतमें और अंचक छापा मारा। छापेरी की खबर फैलाने ही नगर के खाद्य तेल विक्रेताओं में हडकंप की स्थिति बन गई। खाद्य विभाग की दीम द्वारा दुकान से सोयाबीन और सरसों के खाद्य तेल के अलग-अलग कुल 8 सेपल भरे गए। दीम द्वारा सभी सेपल जाच हेतु विभाग प्रयोगशाला भेज दिए गए। एसडीएम नम्रता सिंह ने बताया कि छापेरारी का मुख्य दृश्य नगर में मिलावटी तेल के कारोबार पर अंकुर रामाश्रम और उमोकारों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी बताया कि खाद्य विभाग के अधिकारीयों द्वारा खाद्य पदार्थों की गंभीरता से जाच की जारी है और दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यापारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

6 बाल श्रनिकों को कराया गया मुक्त

शुक्लांगंज, ज्ञावा शुक्रवार को नगर में बाल श्रम के खिलाफ एक विशेष अभियान के तहत बाल श्रम करते हुए छह बच्चों को मुक्त कराया। यह कार्रवाई स्थानीय दुकानों में बच्चों के प्रम के संबंध में लगातार मिल रही शिकायतों के बाद की गयी। बाल संरक्षण अधिकारी संजय कुपर भिंता ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र में बाल श्रम की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं इस पर उन्होंने अपने तेल के साथ नगर का दौरा किया। जहां उन्हें तीन दुकानों में छह बच्चों को काम करते हुए पाया। अधिकारियों ने तुरंत बच्चों को मुक्त करकर उनके उचित संरक्षण की व्यवस्था की। इस दौरान तीन दुकानदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। भिंता ने कहा कि यह अभियान अमीर भी जारी रहेंगे और बाल श्रम के खिलाफ समर्थक उड़ाएं जाएंगे। उन्होंने बताया कि बच्चों के अधिकारीयों की रक्षा करना हमारी प्रार्थनिकता है, और इस दिशा में किसी भी तह की दौलत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बाल श्रम उन्मुक्तन के लिए समाज को भी जागरूक किया जाएगा।

मानिक्य भदौरिया गुरु का धरना तीसरे दिन भी जारी रहा

रामनगर। भारतीय किसान यूनियन भदौरिया संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष



ठाकुर हाकिम सिंह भदौरिया के निर्देशनुसार जिला अध्यक्ष बाराबंकी रविंद्र कुपर सिंह के नेतृत्व में तहसील परिसर में दिया जा रहा धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। एसडीएम रामनगर पवन कुपर से उनकी वार्ता हुई जिस पर शरनवार को एक समस्या निस्तारित करने के लिए कालीविहू विभाग की संबंधित समस्याओं पर एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के लिए समाज नहीं है। सक्षम अधिकारियों को प्रति काम करने से अवकाश करवा द्वारा वार्ता के बाद उनकी वार्ता के समस्याओं में अवकाश करवा द्वारा द्वारा जारी रही। एसडीओ रामनगर से अन्तर्वार हुई जिसमें उन्होंने उत्तराधिकारी को जो बिंदु हैं इन सभी पर कार्रवाई होनी चाहिए परन्तु के प्रति काम करने के

